Fahmi
B.A. III H.
24.7.20.
4.20

संयुक्त (~~[illegible]~~, ~~[illegible]~~) परिवार की विशेषता

1. बड़ा आकार : इस परिवार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें कई पीढ़ियों के व्यक्ति एक साथ रहते हैं। इसलिये कभी कभी इसकी संख्या 40-50 से भी अधिक हो सकती है। इसी लिये इसका आकार बड़ा होता है।

2. संयुक्त चूल्हा : इसके व्यक्तियों की संख्या अधिक होने पर भी भोजन सभी का एक ही चूल्हे पर तैयार किया जाता है। इसके साथ ही साथ सभी सदस्य एक साथ मिलकर यज्ञ, श्राद्ध, कर्म, आदि का कार्य करते हैं।

3. संयुक्त सम्पत्ति : इतने बड़े आकार वाले परिवार में सम्पत्ति का स्वामी कोई एक व्यक्ति नहीं होता बल्कि परिवार के सभी सदस्यों का सामान्य रूप से सम्पत्ति पर अधिकार होता है। सभी सदस्य परस्पर मिलकर वस्तुओं का उत्पादन करते हैं और उनका उपभोग भी मिलकर करते हैं।

4. मुखिया का शासन : परिवार में जो सबसे बड़ा होता है सामान्यतया वही परिवार का कर्ता और संचालक होता है। उसकी आज्ञा के बिना परिवार में कोई कार्य सम्पन्न नहीं हो सकता है। परिवार के सभी व्यक्ति उसकी आज्ञा और आदेश का पालन करते हैं।

5. सामान्य पूजा : परिवार के सभी सदस्य परस्पर मिलकर पूजा करते हैं। परिवार का एक देवता होता है। इसलिये विभिन्न अवसरों पर

Scanned with CamScanner

परिवार के सभी सदस्य एक प्रकार से पूजा पाठ एवं हवन करते हैं।

6. परस्पर कर्तव्य बोध: परिवार के सभी सदस्य अपने कर्तव्य और अधिकार से परिचित होते हैं। इसलिये सभी व्यक्ति अपना निर्धारित कार्य करते हैं। यही कारण है कि परिवार में ~~समान~~ सामान्यतः सदस्यों के बीच ~~मतभेद~~ कलह नहीं उत्पन्न होते हैं।

7. सांस्कृतिक निरन्तरता: संयुक्त परिवार नई आने वाली पीढ़ी को पुरानी संस्कृति से परिचित कराती है। इस प्रकार प्रत्येक नई पीढ़ी को अपनी पुरानी पीढ़ी से विरासत में एक संस्कृति प्राप्त होती है जो सांस्कृतिक निरन्तरता को बनाये रखती है।

(8) धर्म का आधार: इसके सदस्य सांस्कृतिक कार्यों के साथ धर्म से भी जुड़े रहते हैं। धर्म के अनुसार ही बच्चों का पालन पोषण होता है और पारिवारिक धार्मिक, मूल्यों और आदर्शों के अनुसार ही उनका पालन पोषण होता है।

(9) स्थायित्व: संयुक्त परिवार आज भी बहुत हद तक आज भी अपने परम्परागत रूप में ही ग्रामीण समाज में जीवित है। इसका आकार इतना बड़ा है कि इसके सदस्यों की संख्या शून्य कभी नहीं होती है परिणामस्वरूप यह एक स्थायी संस्था है।

इस प्रकार संयुक्त परिवार या ग्रामीण परिवार भारतीय ग्रामीण समाज का एक मुख्य आधार है और आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में यह अधिक पाये जाते हैं।

—— x ——

Scanned with CamScanner